अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अंक 263 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | मई 2020

सम्पूर्ण तेरापंथ धर्मसंघ के ताज शांतिदूत, भारत सपूत का जन्मोत्सव, दीक्षोत्सव व पट्टोत्सव समारोह मना रहा है। इस महान सूर्य के जन्मोत्सव, दीक्षा दिवस व पट्टाभिषेक समारोह पर सम्पूर्ण महिला समाज की भाव भरी अभि-वन्दना, शत्-शत् नमन।

।। जय-जय महाश्रमण ।।

ऊर्जावाणी

महाश्रमण बहुत भला है
बहुत विनीत है।
मैं कहता हूँ
कि साधु हो तो
ऐसा हो।

आचार्य तुलसी

अनमोल विचार

मैं अपना सौभाग्य मानता हूँ कि मुझे महाश्रमण जैसा उत्तराधिकारी मिला। इनकी विनम्रमता, सहिष्णुता और सहजता ने मेरे मन को आकृष्ट किया है। महाश्रमण योगी है क्योंकि उनमें श्रमशीलता है, स्वार्थ का विसर्जन है, कष्ट सहिष्णुता है और परामर्थ की चेतना है

आचार्य महाप्रज्ञ

जिस मौसम ने सिरजा तुमको उसको नमन हमारा है।
सृजन तुम्हारे हाथों में तुमने ही उसे संवारा है।।

गीतों की हर थिरकन में तुम स्वयं गीत बन गाते हो,
बंजर भू उर्वर होती जब करुणा रस बरसाते हो,
युग-नयनों के दर्पण में जो वह प्रतिबिंब तुम्हारा है।।

परस तुम्हारा जब हो जाता दीपक जलता बिन बाती,
तुम्हें देखकर मन-सागर की सोई लहरें इतराती,
यह अनुपम व्यक्तित्व तुम्हारा सचमुच अजब नजारा है।।

चरण तुम्हारे टिके जहाँ पर पतझर भी ऋतुराज बने,
तुम्हें देखकर जन्म रहे हैं आँखों में नूतन सपने,
पल-पल गीत तुम्हारे गाता साँसों का इकतारा है।।

- साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा

अध्यक्षीय

प्रिय बहनों

सादर जय जिनेन्द्र!

आचार्य तुलसी की नैतिकता को और आचार्य महाप्रज्ञ की सद्भावना को चरित्रार्थ करने वाले परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमण जी दो युग प्रधान आचार्यों की अद्वितीय कृति हैं।

सरदारशहर की पुण्य धरा, दुगड़ कुल का वह पुनीत प्रांगण जिसमें प्रकाश की एक किरण महासूर्य बनने के लिए अवतरित हुई। मोहन से मुदित, मुदित से महाश्रमण और महाश्रमण से तपस्वी आचार्य बन जैन शासन के विराट नभ में अध्यात्म के अलोक पुंज के रूप में उदभासित हुए।

एक वैज्ञानिक से पूछा गया - कोयले व हीरे में क्या अन्तर है? दोनों ही खान से निकलते हैं। समधान में कहा गया - इन दोनों के स्वरूप में अन्तर है। कोयला अन्दर एवं बाहर से काला है, उसमें गन्दगी है एवं प्रदुषण है, जबकि हीरा साफ सफेद है। बाहर की किरणों को अपने भीतर ले जाता है। आत्मसात् करता है। शुद्ध, शत गुणित होकर चमकता है। ठीक उसी प्रकार आचार्य महाश्रमण संघभाल पर कोहिनूर हीरा के भांति चमक रहे हैं। चमकने के मुख्य बिन्दू है - अनुत्तर सहिष्णुता, अनुत्तर संयम, अनुत्तर श्रम।

अनुत्तर सहिष्णुता - अहिंसा यात्रा के दौरान काठमांडु का भंयकर भूकम्प जिसमें आपकी स्थिरता मेरू पर्वत की तरह अडिग रही। आपकी उपशम साधना कषाय मन्दता, इन्द्रिय विजय की साधना विलक्षण है। आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने युवाचार्य श्री महाश्रमण के कमरे का तापमान देखते हुए फरमाया - महाश्रमण का उपशम भाव प्रबल है। आपकी वाणी, संयम व दृष्टि संयम अभूतपूर्व है। आपकी स्थिरप्रज्ञता जयाचार्य की याद दिलाती है।

किसी की भी जिज्ञासा चन्द शब्द और एक मुस्कान से समाहित कर देते हैं, इसे कहते हैं - मन, वचन व काया का संयम। आचार्य महाप्रज्ञ के बहुआयामी विकास की पृष्ठभूमि में है उनकी प्रखर संयम साधना, गहन तप, दृढ़-निष्ठा अनेकान्त दर्शन, स्वस्थ चिन्तन और प्रदिप्त पौरुष, गुरु के प्रति समर्पण, आचार निष्ठा व चारित्र उज्ज्वलता है। आचार्य पद के छोटे से शासनकाल में जो श्रम की बूंदे बहाई है उसकी साक्षी है सुदूर अहिंसा यात्रा। जिन्होंने मात्र 6 वर्षों में देश-विदेश के 21 राज्यों को, पूर्वाचार्य जहां नहीं पहुंचे वहां पधारकर इस महायायावर ने जो जनहित जन उत्थान, जन जागरण का संदेश दिया वो आप श्री के महाश्रम के द्योतक हैं, जिससे सार्थक प्राप्त कर रहा है आपका अनुत्तर संयम।

आचार्य महाश्रमण एक विलक्षण व्यक्तित्व है, जिनमें अनके वीर आत्माओं का सम्मिश्रण है। उनकी समता से भरी जीवन शैली में भगवान महावीर की समता झलकती है। आपके त्याग व तपस्वी मनोवृत्ति में ऋषभ भगवान की व्रत चेतना का दिग्दर्शन होता है। आपकी अनुशासना में जैन संस्कृति का वर्चस्व गौरवान्वित हो रहा है।

गांधी की दान्डी यात्रा और विनोबा की भुदान यात्रा की तरह आपकी अहिंसा यात्रा अनवारत जारी है। लेकिन वर्तमान में कोरोना वायरस के महाप्रकोप के कारण महाराष्ट्र में सोलापुर के पास बी.एम.आई.टी. में यात्रा को विराम देते हुए सकुशल अपनी धवल सेना के साथ विराजमान है। आपने इस वैश्विक महामारी के प्रकोप एवं भय से निजात पाने के लिए जनमानस को शांति स्तुति मंत्र जप करने की विशेष प्रेरणा दी है।

''चइता भारहं वासं, चक्कवट्टी महि ड्डिओ।
संती संति करे लोए, पत्तो गइमणुत्तरं।।''

हम धन्य है युवाशक्ति के रहनुमा गुरु को पाकर

ऐसे हैं हमारे गुरु - जिनका अप्रतिम पुरूषार्थ, जन-जन में पौरुष का संचार करता है।

ऐसे हैं हमारे गुरु - जिनकी एक नजर पाने के लिए हजारों नयन आशाभरी निगाहों से निहारते हैं।

ऐसे हैं हमारे गुरु - जिनका उर्जस्वल आभामण्डल हर व्यक्ति के अन्तःकरण को विनय, समर्पण और आस्था की त्रिवेणी से

आप्लावित कर देता है।

ऐसे हैं हमारे गुरु - जिनकी कठिन साधना को देखकर आगत-अभ्यागत चरण-शरण में लीन, तल्लीन और संलीन बन जाते हैं।

ऐसे हैं हमारे गुरु - जिनके आगे करोड़ों की संपदाधारी मस्तक झुकाते हैं।

ऐसे हैं हमारे गुरु - जिनके चरणों में प्रशासन चलाने वाले प्रबुद्ध लोग ऊर्जा पाते हैं।

आइए हम भी उनके पदचिन्हों की ओर कदम बढ़ाएं। वर्ष में कम से कम एक बार उनके दर्शन करने का उपक्रम बनाएं। जैसे लोहा पारस का स्पर्श पाकर सोना बन जाता है वैसे हम भी उनकी सन्निधि में उनके उपदेशों की आराधना कर जीवन को स्वर्णिम बनाएं। उनकी हर दृष्टि में नई राह मिलेगी। उनकी कृपा से सफलता का प्रसाद मिलता है। उनकी वाणी में अनेक समस्याओं का समाधान मिलता है। ऐसे हैं हमारे महिमा मन्डित गुरु।

मंगल कामना करें कि इस विकट परिस्थिति में श्रद्धेय आचार्यवर, असाधारण साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी एवं गण के सभी साधु-साध्वियों का स्वास्थ्य स्वस्थ रहे, निरामय रहें। साधना पथ पर निरन्तर अग्रसर होते रहें। जन-जन के भगवान, चिरायु हो महानता के महासुमेरु आचार्य महाश्रमण। पुनः सम्पूर्ण महिला समाज की तरफ से वन्दना, मंगल भावना, मंगल कामना।

चमक रहा है व्यक्तित्व तुम्हारा, ज्यो नभ में ध्रुवतारा।
त्याग-तपस्या से गुंजे जय महाश्रमण का नारा।।
शुक्ला नवमी वैशाख महिना, उतरा देव विमान।
सहज सौम्यता, मधुर भाषिता है जिनकी पहचान।।
पट्टोत्सव-जन्मोत्सव, दीक्षोत्सव लाए नई अरूणाई।
महिला समाज चाहता है प्रभो ऊर्जा की नव तरूणाई।।

आपकी

पुष्पा दैद

महाश्रमण अभिवन्दना - सम्माननीय ट्रस्टीगण द्वारा

अलौकिक प्रज्ञा के धनी आचार्य महाप्रज्ञ,
सूर्य सा उनका तेजस्वी चरित्र
चंद्र सा उनका समूह व्यवहार
सिद्ध पुरुष सा अतिन्द्रिय ज्ञान
क्रांतिकारी वीर सा उत्सर्ग बल
जो युग युगांतर तक व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और
विश्व को सद्प्रेरणा-सद्प्रकाश और साहस देते रहेंगे।
आज शताब्दी दिवस पर प्रज्ञा के शिखर
पुरुष को समूचा महिला समाज
श्रद्धा प्रणति प्रस्तुत करता है

श्रीमती शांता देवी पुगलिया
प्रधान ट्रस्टी

हे अध्यात्म के महासूर्य तुम्हें नमन!
तुमने दिया दिव्य प्रकाश,
हे दिव्य दिवाकर तुम्हें नमन!
जगाया भीतर का विश्वास।
जन्मदिवस की मंगल बेला,
पास में नही कुमकुम चंदन,
हे अनंत ऊर्जाप्रदाता! भावों से करती हूँ
शत-शत अभिनंदन।

श्रीमती प्रकाशदेवी तातेड
ट्रस्टी

तेरापंथ की आचार्य परम्परा में आचार्यश्री महाश्रमणजी एक विशेष तेजोमय आचार्य हैं। तेरापंथ धर्म संघ के सभी यशस्वी आचार्यों की गुण सम्पदायें आप में परिलक्षित होती हैं। आपके व्यक्तित्व में समर्पण, सकारात्मक चिंतन, श्रद्धा, श्रम, गुरूभक्ति, अनुशासन-प्रियता, ऋजुता, धीर-गंभीर चिंतन शैली आदि अनेकों विशेषताओं का प्रत्यक्ष अनुभव होता है। आपने ऋषि परम्परा को संयम और अप्रमाद की भावना से चमकाया है। आपका आत्मानुशासन बेजोड़ है। अनुशासन व मर्यादा आपके रोम-रोम में बसी हुई है।

ऐसे आचार्य को पाकर पूरा तेरापंथ धर्म संघ धन्यता का अनुभव कर रहा है। एकादशम् अनुशास्ता को सभक्ति अभिवन्दना करते हुए मंगल कामना करती हूँ कि युगों-युगों तक आपकी जय जयकार हो।

श्रीमती सौभाग बैद
ट्रस्टी

प्रणम्य है जिनका अनुत्तर संयम, जिनमें झलकती है - भारीमाल जी की विनम्रता, ऋषिराय और मधवा की पापभीरूता, जयाचार्य व तुलसीगणि का अनुशासन, डालगणि और काळूगणि की प्रखरता और महाप्रज्ञजी की विद्वता, नमन, ऐसे महातपस्वी, महामनस्वी, धर्म संघ के मुकुट मणि आचार्य प्रवर को। आपका जन्मोत्सव, पट्टोत्सव एवं दीक्षा दिवस धर्म संघ के महान उत्सव है, जिन्हें पूरा महिला समाज जप, तप एवं प्रत्याख्यान साधना से मनायेगा।

गुरुदेव! आप शतायु होकर कुशल सारथी बनकर इस संघ को अलम्य ऊँचाईयां प्रदान करें। वंदन-अभिवंदन-नमन।

श्रीमती कनक बरमेचा
ट्रस्टी

जैन जगत के दिव्य प्रभाकर,
पवित्रता के पुण्यधाम।
अहिंसा के निर्मल निर्झर, महाश्रमण को करें प्रणाम ।।

सरदारशहर की माटी विरली,
बनी त्रिवेणी बड़भागी।
जन्म, दीक्षा, पदाभिषेक,
तीनों उत्सव की सौभागी।।
नेमाजी का लाल बना,
तेरापंथ शासन का राम।
अहिंसा के निर्मल निर्झर, महाश्रमण को करें प्रणाम ।।

गुरू भिक्षु के सत्तपथ गामी,
तुलसी के तुम हो स्वरूप।
महातपस्वी, महामनस्वी,
महाप्रज्ञ के हो प्रतिरूप।।
नैतिकता, सद्भावना संग,
नशामुक्ति का दिया पैगाम, अहिंसा के निर्मल निर्झर,
महाश्रमण को करें प्रणाम।।

श्रीमती सूरज बरडिया
ट्रस्टी

आचार्य महाश्रमण तेरापंथ धर्मसंघ की गौरवशाली परंपरा के एकादशम् आचार्य और अधिशास्ता हैं।

सम्यक् ज्ञान, दर्शन और चारित्र से विभूषित, अपनी तरुण तेजराशि से धार्मिक जगत को उज्ज्वलता प्रदान करने वाले आचार्य महाश्रमण एक ऐसे राष्ट्रसंत हैं जो विश्व में अहिंसा, विश्वशांति, वसुधैव कुटुंबकम और सौहार्द्र की भावना को निरंतर प्रचारित कर रहे हैं। वे समानता, सौहार्द्र, समन्वय आदि के द्वारा समाज में नई विचार-क्रांति पैदा करने की दिशा में अग्रसर हैं। अपनी सर्वतोन्मुखी प्रतिभा अखंड कर्ममय जीवन तथा सर्वव्यापी प्रभाव के द्वारा वे सर्वत्र एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण कर रहे हैं।

आचार्य महाश्रमण एक महान् संत, विचारक और अध्यात्म दर्शन, संस्कृति एवं मानवीय चरित्र के उन्नायक हैं। उनकी आध्यात्मिक-वैज्ञानिक दृष्टि, विलक्षण प्रतिभा, संयम-साधना तथा प्रौढ़ चिंतन से संपूर्ण मानव जाति को एक नया दिशाबोध प्राप्त हो रहा है।

आचार्यप्रवर अंहिसा-यात्रा द्वारा महान् सत्य का संदेश दे रहे हैं । सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक समस्याओं के क्षेत्र में उनके अवदान उल्लेखनीय व अतुलनीय हैं। उनके कुशल नेतृत्व में तेरापंथ धर्मसंघ विकास के नए क्षितिज की ओर अग्रसर है। उनके जन्मोत्सव, पट्टोत्सव व दीक्षा-दिवस पर मैं अंतर्मन की गहराइयों से शुभ भावों की अभ्यर्थना प्रेषित करती हूँ। इन्हीं शुभ भावों के साथ .....

श्रीमती मधु दुगड़, कोलकाता
ट्रस्टी

हे शांतिदूत! ध्रुवयोगी! महातपस्वी आचार्य के प्रवर जन्मोत्सव, पट्टोत्सव व दीक्षा दिवस पर भावभीनी अभिवन्दना। आपका व्यक्तित्व असीम है उसमें ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों लौकिक देवों के दर्शन एक साथ होते हैं। ब्रह्मा इसलिए हैं कि आप संयम जीवनदाता हैं। विष्णु इसलिए कि आप हमारी कोरोना वायरस से रक्षा कर जीवन के पालनकर्ता हैं। महेश इसलिए हैं कि हमारे जीवन रूपी बगीचे में सद्संस्कारों के फूल खिला रहे हैं। ऐसे महान गुरु को प्राप्त कर धन्यता का अनुभव कर रहे हैं। आप दीर्घायु हो। शतायु हो ..... इन्ही भावों के साथ .....

प्रभु को आज बधाएं, पट्टोत्सव पर नारी शक्ति मिल शुभ संकल्प सजाएं।
उसी दिशा में कदम बढ़ेगें, जिधर मिलेगा एक इशारा
देव! तुम्हारे श्री चरणों में, अर्पित है यह जीवन सारा ।।

श्रीमती प्रियंका तातेड़
ट्रस्टी

गुरु महाश्रमण की महिमा का कैसे मैं बखान करूं,
सागर जैसे व्यक्तिव का कैसे मैं गुणगान करूं।
उनके शब्दों से मेरे मन वीणा के तार हुए झंकृत,
उनकी कृपा दृष्टि से मानो, जीवन दृष्टि हुई पुलकित,
अंधकार में नव सूरज किरणों से कैसे नयन भरूं,
सागर जैसे व्यक्तित्व का कैसे में गुणगान करूं।

आपकी कृपा रज के एक ही कण को पा सकूं भगवन,
कुछ ऐसा आशीर्वर दे दो, महक उठे मेरा जीवन उपवन
इस पुण्य दिवस पर अंतर्मन से ये शब्द उच्चार करूं,
सागर जैसे व्यक्तित्व का कैसे में गुणगान करूं।

धर्म प्रभावना के पथ पर रहूं सदा ऐसे अग्रसर,
मर्यादा के रामपुरुष चलते है आप जिस डगर,
शीश झुका श्रद्धानत मैं शत-शत बार प्रणाम करूं,
जन जन के उद्धारक प्रभुवर का कैसे मैं गुणगान करूं।

तरुणा बोहरा
महामंत्री, अ.भा.ते.म.मं.

करणीय कार्य ▶ हमारा समाज - हमारा दायित्व

समस्याएं कई प्रकार की होती हैं, व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक व वैश्विक। अभी जो कोरोना वायरस महामारी फैली है, इसमें सभी प्रकार की समस्याएं भयंकर आतंक का रूप लेकर पूरे विश्व को अपने आंचल में लपेट लिया है। किसने सोचा था कि एक वायरस से पूरी दुनिया बेबस होकर घर में कैद हो जाएगी। अभी तो कैसे भी दिन गुजर रहे हैं, जाहिर है जब जीवन पटरी पर आएगा तो अनेक तकलीफों का सामना करना पड़ेगा। ऐसा आज तक कभी किसी के जीवन में हुआ नहीं है कि हम किसी के अनुभवों से सीख सकें और यह स्थिति कब तक रहेगी यह भी पता नहीं है। अतः हमें अपना दायित्व समझना चाहिए कि समाज के लिए हम क्या-क्या करें।

स्व से शिखर तक

ज्ञान चेतना वर्ष, करे उत्कर्ष

हमारा समाज - हमारा दायित्व

Let's give back to the society

1. लॉकडाउन में सब परिवारों की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है, इसके लिए हमें दो बातों पर ध्यान देना होगा। 1. खर्च को नियंत्रित करना होगा, अपनी इच्छाओं पर अंकुश लगाना पड़ेगा। 2. आर्थिक प्रबंधन के सूत्र बनाकर कुछ हिस्सा असहाय व गरीब लोगों के राहत के लिए जरूर निकालें।

2. लॉकडाउन में सहायक वर्ग को अग्रिम भुगतान घर बैठे दिया जा रहा है, जब लॉकडाउन खुलने पर जब वे काम पर आएंगे, तब उन्हें मुफ्त में दिया वेतन का बार-बार अहसास दिलाकर ना टोकें, ना ताने दे व न गुस्सा दिखाएं। यह हमारा दायित्व था हमने कर्तव्य समझकर दिया है।

3. इस दौर में बेसहारा पशु-पक्षी भी संकट का सामना कर रहे हैं, यदि खाद्य सामग्री का थोड़ा सा हिस्सा बेसहारा प्राणियों को दिया जाए तो बेहतर रहेगा।

4. जैसा कि लॉकडाउन में या बाद में भी सोशल डिस्टेंनशिंग, आइसोलेशन, क्वारंटाइन, मास्क लगाना इन सबके लिए हम जागरूक रहें। सामाजिक दूरी, निजी सुरक्षा, स्वच्छता, अनुशासन और परिश्रम समय व समाज की मांग है इस पर ध्यान दें।

5. जैसा प्रशासन हमें आदेश देता है उसका पूर्णतया पालन करें।

6. बुजुर्गों का ध्यान रखें, भोजन में स्वस्थ आहार लें, व्यायाम, प्रेक्षाध्यान या योग करें। महिला मंडल में ऑनलाइन मीटिंग द्वारा, अनेक प्रतियोगिताओं द्वारा मोटिवेटर के प्रशिक्षण द्वारा, इस महामारी के समय तनाव कम हो, मन शांत व स्वस्थ रहें, ऐसा प्रयास करना हमारा दायित्व है।

संकल्प से सिद्धि

महामहिम प्रेक्षा प्रणेता दशमें आचार्य प्रवर के महाप्रयाण दिवस पर सम्पूर्ण महिला समाज की ओर से हार्दिक श्रद्धांजली।

महामना आचार्य प्रवर की पुण्यतिथि पर सवा लाख माला जप अनुष्ठान द्वारा श्रद्धा समर्पण भेंट।

"ॐ श्री महाप्रज्ञ गुरवे नमः" सवा लाख माला जप अनुष्ठान।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आध्यात्मिक भावना के साथ आत्मोत्कर्ष करते हुए जप अनुष्ठान द्वारा महामना को श्रद्धासिक्त नमन करें। प्रत्येक संभागी को प्रतिदिन 13 माला फेरनी है। कृपया प्रत्येक महिला लगभग 3 महिने तक प्रतिदिन 13 माला फेरें। यह जप सभी शाखा मंडल 30 मार्च से 30 जून तक करें।

विशेष निर्देश

अप्रेल की नारीलोक में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा महामना आचार्य महाप्रज्ञ जी के शताब्दी वर्ष पर "ॐ श्री महाप्रज्ञ गुरवे नमः" का सवा लाख जप अनुष्ठान का कार्यक्रम दिया था। आशा है यह जप सभी शाखामण्डल में निर्विध्न चल रहा होगा। अतः आप सभी बहनें ज्यादा से ज्यादा अब भी यह जाप शुरू कर सकती हैं।

कंठस्थ ज्ञान

भक्तामर स्तोत्र का 25–28 चार पद्य याद करें एवं चोबीसी की सातवीं गीतिका 'सुपार्श्व प्रभु' की याद करें।

आपकी कलम से...

कोविड19 – जिम्मेदार कौन ?

(कविता प्रतियोगिता – शब्द सीमा – 150)

अपने क्षेत्र से सर्वश्रेष्ठ कविता 15 जून तक

श्रीमती सरिता बरलोटा (मोबाइल – 8817338250)

को व्हाहटॲप करें।

Art Khazana

स्वयं की रक्षा, समाज की सुरक्षा !

(पोस्टर प्रतियोगिता with Slogan) अपने क्षेत्र से सर्वश्रेष्ठ पोस्टर 15 जून तक

श्रीमती मधु श्यामसुखा

(मोबाइल-8829016401) को व्हाहटॲप करें।

हमारा समाज-हमारा दायित्व

स्व से शिखर तक का सफर – चौथा चरण **Society** चार चरणों में मनाया जायेगा।

01 मई – संकल्प दिवस

आओ करें संकल्प, Mask Use and Disposal के जाने प्रकल्प!

ABTMM द्वारा प्रसारित Video से जाने महत्वपूर्ण जानकारी। Google Form की Link What'sApp पर भेजी जाएगी। प्रत्येक महिला को संकल्प धारण करने की प्रेरणा जरूर।

5 मई – नवकार मंत्र की शक्ति, करें स्वयं को सुरक्षित ! !

ABTMM Facebook Page पर live session

Motivational Speaker - श्रीमती रेनू चिंडालिया

15 मई – हमारा समाज हमारा दायित्व

ABTMM Facebook Page पर live session

Speaker - श्रीमती सूरज बरडिया, ट्रस्टी

15 मई – विद्युत बचाएं ! !

वर्तमान परिस्थितियों में हॉस्पिटल, लैबोरेट्री इत्यादि स्थानों पर बिजली की बहुत खपत है।

15 मई को सायं 6.30 से 7.00 बजे तक घर की सारी लाइटें, पंखा, एसी सभी बंद कर दें। समाज और देश को अपना सहयोग प्रदान करें।

कोविड-19

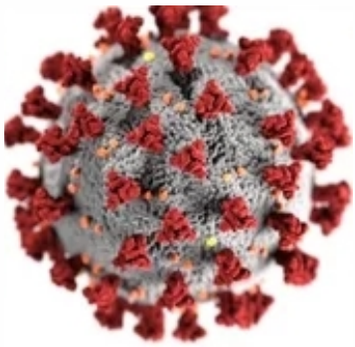

आपदा कभी कहकर नहीं आती। आपदा निजी जीवन में भी आती है और सार्वजनिक जीवन में भी आती है। इस क्षणभुंगर जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं रहता। सुख का घर जाना ही दुख है और दुख का बढ़ते जाना ही आपदा है। विभिन्न बीमारियां मानव प्रजाति के लिए हरदम समस्या रही है, जीवन है तो बीमार होना स्वाभाविक है। महामारियां भी यदा कदा आती रहती है पर इस मार्च 2020 में आयी कोरोना वायरस ने तो सम्पूर्ण विश्व को हिलाकर रख दिया है। इस महामारी ने ऐसा संकट खड़ा किया है कि विकसित देशों सहित समूचा विश्व ऐसी महामारी का सामना करने के लिए सक्षम नहीं है। जीवाणु रूपी इस दैत्य से सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था ही चरमरा गई है। आज जैसा संकट न पहले कभी सुना, ना कभी देखा। आज चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है हर व्यक्ति के सिर पर मौत की तलवार लटक रही है। देश स्वप्नावस्था से जागृत हो गया है।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 मार्च 2020 को एक दिन के लिए ''जनता कर्फ्यू लगाया और कहा कि शाम को 5.00 बजे सब अपने घर के दरवाजे पर या बालकनी में ताली, घंटी या थाली बजाकर उन लोगों के प्रति सम्मान अदा करें जो अभी देश की सेवा में चाहे वो डॉक्टर, नर्स, पुलिस, सफाई कर्मी या कोई भी जो देश की सेवा अपनी जान जोखिम में डालकर कर रहे हैं। फिर 25 मार्च से 14 अप्रेल तक पूरे भारत को लॉकडाउन कर दिया गया। जो जहां था वहीं रूक गया और इसी में सबकी भलाई थी।

हमारे परम पूज्य श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमण ठाणा 49 एवं मातृहृदया साध्वीप्रमुखाश्री जी ठाणा 51 सहित सोलापुर (महाराष्ट्र) से 12 कि.मी. पहले ब्रह्मदेव माने इन्स्टयूट ऑफ टेक्नोलॉजी के विशाल परिसर में विराजमान है वहां का वातावरण बहुत अच्छा है सभी सुखसाता पूर्वक विराजमान हैं बाहर से लोगों को आने जाने की प्रायः मना ही है।

लॉकडाउन होने से सभी इन्डस्ट्रियाँ, फैक्ट्रियाँ, ऑफिस व मार्केट बंद होने से लाखों-लाखों व्यक्ति व्यवसाय व नौकरियों से वंचित हो गए। सुबह कमाकर रात को खाने वालों लाखों लोग बेघर हो गए हैं। उनके पास खाने को रोटी नहीं, भूख व बीमारी से तड़फ रहे हैं। रेलयात्रा, बस यात्रा, एयरलाइन्स, मॉल, मार्केट, सिनेमा हॉल सब बंद अपने घर में बंद हैं। जो लोग फैक्ट्रियाँ व इन्डस्ट्ररियों में काम करते थे वे मजदूर हजारों की तादाद में पैदल ही निकल पड़े अपने घर की ओर। एक हाथ में सामान, एक हाथ में बच्चे, उन्हें नहीं पता वे कब घर पहुंचेंगे, कैसे घर पहुंचेंगे, क्या खायेंगे?

सम्माननीय प्रधानमंत्री ने पी.एम. राहत कोष से देश के लिए जगह-जगह खाने-पीने व रहने की व्यवस्था की और देशवासियों को आह्वान किया कि कोई भी देशवासी भूखा न सोए। प्रशासन हर तरह की व्यवस्था करेगा। अभी भी लोगों के दिलों में मानवता है। लॉकडाउन के दौरान देशभर से लोगों ने एक-दूसरे की मदद के लिए हाथ बढ़ाए, चाहे वो कोई भी सम्प्रदाय से हो। जगह-जगह दवाईयां व भोजन की व्यवस्था की गई। जल सेना, थल सेना, वायुसेना तथा न जाने कितने लोग सहायता के लिए सामने आये, ऐसा लगा मानो प्राकृतिक आपदा ने सबके मानस

को जगा दिया, पूरा भारत एक हो गया। आज सब एक दूसरे की मदद करते नजर आ रहे हैं। हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख व ईसाई नाम कुछ भी हो सब एक पेड़ की डालियां है। हर प्राणी उसी पेड़ का पत्ता है। पेड़ सुरक्षित है तो पत्ता सुरक्षित है। प्रकृति ऐसा क्यों कर रही है? कब तक करेगी? ये सवाल बार-बार मन को झकझोर जाते हैं।

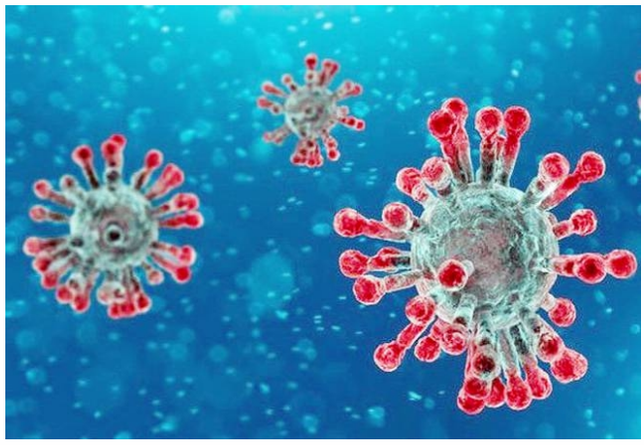

तब कुछ बातें जहन में आती है कि अपनी चादर से बाहर पैर पसारना इंसान की फितरत में शामिल है और ऐसा उसने खूब किया। पंचतत्व से बनी प्रकृति की चादर को खूब खींचा, रौंदा, पैरों तले दबाया, अपनी भूख मिटाने के लिए निरीह प्राणियों को मारकर अपना भोजन बनाया। विलासिता को अपना साधन मान लिया। इंसान को पता नहीं चला कब चादर सिमट गई और कब पैर बाहर रह गए, वो ही पैर आज अब कांप रहे हैं।

लॉकडाउन ने 14 दिन बाद 5 अप्रेल को रात नौ बजे नौ दीपक या मोमबती अपने घर के दरवाजे पर या बालकनी में जलाई गई पूरे देश की लाईटें बंद कर दी गई केवल स्ट्रीट लाईट को छोड़कर, इससे ये संदेश दिया गया कि कोरोना रूपी अंधेरा दूर भगाकर आशा, उम्मीद व स्वस्थता की रोशनी से पूरा भारत जगमगा उठा, मानों दीवाली आ गई है घर की छत्तों पर खड़े होकर देखने से लगा देश में कितनी एकता व समांजस्य है वह दृश्य देखने लायक था।

अब फिर प्रधानमंत्री ने ये लॉकडाउन 14 अप्रेल से बढ़ाकर 03 मई 2020 तक कर दिया है संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। देश में कारोना का भयंकर उपद्रव फैला हुआ है प्रतिदिन हजारों लोगों का परीक्षण किया जाता है कि कहीं कारोना पॉजिटिव व्यक्ति तो नहीं है। सब 21 दिन के लिए घर में लॉकडाउन है दूसरी नज़र से देखें तो लगता है कलयुग में सतयुग आ गया है कितना सादा जीवन हो गया है। दाल, रोटी, कुछ कपड़े, एक घर बस इतना ही काफी है जिन के पास पांच मिनट तक का समय नहीं था वो घर में पूरे परिवार के साथ आनन्द से जीवन बीता रहे हैं। न कपड़ा, सोना-चांदी, फर्नीचर, पिक्चर, मॉल कुछ नहीं, सुबह से पूजा सामायिक, जप, प्रत्याख्यान, त्याग व तपस्या घर का काम, भगवान की प्रार्थना सारे घर के सदस्यों का यही रूटीन हो गया है। सब मिलकर काम करते हैं। भागदौड़ की जिन्दगी में ठहराव आ गया है। शांति, संतोष सबके मन में है। थोड़े में गुजारा हो रहा है। जय तुलसी फाउन्डेशन, सभा, युवक परिषद्, महिला मंडल सब कारोना पीड़ितों व गरीबों की सहायता में लगे हुए है। न कोई चिंता, न कोई निंदा, सिर्फ-सिर्फ परमार्थ का भाव। दोपहर में व शाम को प्रतियोगिताएं चाहे वो महावीर भगवान पर हो, भिक्षु पर हो, सौलह सतियों पर हो, 25 बोल पर हो या प्रमुखाओं पर हो या प्रेक्षाध्यान की कक्षाएं हो कुल मिलाकर भक्ति की लहर बह रही है, ऐसा लगता है कि पर्युषण पर्व आ गए हैं।

अंधकार में ही दीप विश्व को प्रकाशित करता है, दीपक ज्ञान रूपी प्रकाश फैलाता है और ज्ञान हमें सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। हर रात की सुबह होती है, बस इस बार अंधेरा जरा गहरा है, मुश्किल इसलिए है शायद कि ..... खुद पर खुद का ही पहरा है।

कन्यामंडल करणीय कार्य

प्यारी बेटियों,

जय जिनेन्द्र।

हम सबकी असीम श्रद्धा के केन्द्र तेरापंथ धर्मसंघ के दशम् अधिशास्ता आचार्यश्री महाप्रज्ञ जी की 11वीं पुण्यतिथि (9 मई 2010) के उपलक्ष में श्रद्धासिक्त नमन।

प्रिय बेटियों, आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप सभी गुरु कृपा से पूर्ण स्वस्थ होंगे। आज पूरा विश्व महामारी के संकट से जूझ रहा है। ऐसी विषम स्थिति में आवश्यकता है स्वयं को मानसिक, शारीरिक व भावनात्मक रूप से स्वस्थ रखें व अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण जागरूक रहें। अपने इम्यूनिटी सिस्टम को शक्तिशाली बनाने के लिए स्वस्थ जीवन शैली को अपनाएं।

इसके लिए परम आवश्यक है कि हम सात्विक आहार का सेवन करें, फास्ट फूड एवं जंक फूड का परित्याग करें व आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी की अद्भुत देन प्रेक्षाध्यान व जीवन विज्ञान (योग, प्राणायाम) की साधना पद्धति को अपनी नियमिति दिनचर्या में सम्मिलित कर आध्यात्मिक ऊर्जा व शांति प्राप्त करें।

आइये तेरापंथ धर्मसंघ के प्रखर प्रज्ञा सम्पन्न आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए हम इस माह की कार्यशाला पूर्ण भक्तिमय, कलात्मक व आध्यात्मिक रूप से आयोजित करें।

''महाप्रज्ञ'' ! गुणवान, बुद्धिमान, ज्ञानवान।
जिन शासन की शान, आगमों का सार है।
नतमस्तक जहां, दिव्य अवतार है।।

Rise Up with Creative Devotion

प्रथम चरण :-

- महाप्रज्ञ अष्टकम अर्थ सहित कंठस्थ करें।
- स्थानीय स्तर पर महाप्रज्ञ अष्टकम् गायन व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करें।

द्वितीय चरण :- आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी पर

- रेखाचित्र (Sketch) प्रतियोगिता रखें।
- किसी भी Painting Form का प्रयोग कर सकते हैं। मण्डला आर्ट (Mandala Art) का प्रयोग कर सकते हैं। (Optional).
- प्रथम आने वाले रेखाचित्र (Sketch) को केन्द्र में मंगवाया जाएगा।
- साईज आपकी सुविधानुसार बनाएं (Traveling योग्य)।

इस माह का संकल्प

चइत्ता भारहं वासं, चक्कवट्टी महिड्ढिओ।
संती संति करे लोए, पत्तो गइमणुत्तरं।।
आचार्य श्री महाश्रमण जी द्वारा प्रद्वत मंत्र का 21 बार जप करें।

आपकी दीदी
रमण पटावरी

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ तेरापंथ कन्या मंडल का "मिशन स्वच्छता"

Limca
Book of Records

Indian Record

Largest signature campaign

Akhil Bharatiya Terapanth Kanya Mandal (the girls' wing of the Akhil Bharatiya Terapanth Mahila Mandal), Ladnun, Nagaur, Rajasthan, conducted a 'Say No to Littering in Public' signature campaign across 16 states of India as well as Biratnagar and Kathmandu, Nepal. They collected 0.301,955 million signatures in 53 days from 11 August to 2 October 2018. The campaign covered 107 cities and towns in Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Chhattisgarh, Delhi, Gujarat, Haryana, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Odisha, Punjab, Rajasthan, Tamil Nadu, Telangana and West Bengal, besides Nepal.

Vatsala

Vatsala Kaul Banerjee
Editor, *Limca Book of Records*

CERTIFIED AUTHENTIC BY THE HOLOGRAM

Date of Issue: December 2019 (LBR 2020)

"LIMCA BOOK OF RECORDS" IS THE COPYRIGHT OF THE COCA-COLA COMPANY; "LIMCA" IS THE REGISTERED TRADEMARK OF THE COCA-COLA COMPANY. THIS CERTIFICATE DOES NOT NECESSARILY DENOTE AN ENTRY INTO *LIMCA BOOK OF RECORDS*.

3,01,955 signatures collected by 1,013 girls in 2 countries - 16 states, 107 cities

गुरु की अनंत कृपा से ***"I Will NOT Litter in Public"*** हस्ताक्षर अभियान ने सफलता पाकर पहली बार तेरापंथ कन्या मंडल का नाम राष्ट्रीय स्टार पर लिम्का बुक रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। ये ऐतिहासिक रिकार्ड पूर्वाध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता व श्रीमती नीलम सेठिया के महामंत्री काल में बनाया गया था। श्रीमती मधु देरासरिया, कन्या मंडल प्रभारी एवं श्रीमती तरूणा बोहरा, कन्या मंडल सहप्रभारी के सफल कार्यकाल का ये एक महत्त्वपूर्ण कीर्तिमान है। इस मिशन को सफलतम बनाने का श्रेय 12 राज्य स्तरीय कन्या प्रमुख, कन्या मंडल संयोजिका, क्षेत्रीय कन्या मंडल प्रभारी एवं संभागी सभी कन्याओं को जाता है, जिनका अनथक श्रम इस रिकॉर्ड में मुखरित हो रहा है। अहमदाबाद में वृहद सरकारी आयोजन के मध्य हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती सुमन जी नाहटा का विशेष श्रम रहा! इस मिशन को पूर्णता देने में सार्थक श्रम रहा इस कार्यक्रम की राष्ट्रीय संयोजिका सुश्री यशिका खटेड़ का। इस उपलब्धि की सभी कन्या मंडल को हार्दिक बधाई।

Kumud Kachhara

Neelam Sethia

Madhu Derasaria

Taruna Bohra

Yashika Khater

Click on picture below to see relevant video / अधिक जानकारी के लिए चित्र को दबाएं

Celebrities & Political personalities

AP, Assam, Bihar, CG, Delhi Haryana, Karnataka Pics

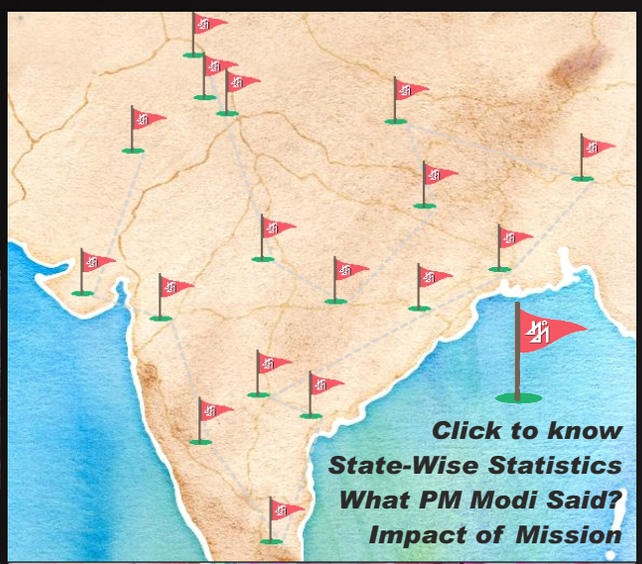
Click to know State-Wise Statistics What PM Modi Said? Impact of Mission

Rajasthan & West Bengal Pics

MP, TN, Orissa Pictures

Pledge & Appreciation by National Leaders of BJP

Performance by ABTKM at Ahmedabad in BJP 5th National Mahila Morcha Conference

Nepal. Punjab, Gujarat, Maharashtra, Telangana Pics

जैन स्कॉलर पाठ्यक्रम

सम्माननीय जैन स्कोलर निर्देशिका श्राविका गौरव श्रीमती मंजू नाहटा द्वारा जैन स्कोलर के तृतीय बैच की रिर्पोट

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल द्वारा संचालित 'जैन स्कॉलर' पाठ्यक्रम जिसका प्रारम्भ 2011 केलवा में हुआ। 2011–2018 तक इसके दो बैच सम्पन्न हुए। इन दो बैचों में 28 स्कॉलर्स बने। मार्च 2019 में जैन स्कॉलर के तृतीय बैच का प्रारम्भ हुआ जिसमें 31 विद्यार्थी (स्कॉलर) अध्ययनरत हैं। इस प्रोग्राम के लिए प्रति वर्ष (वर्ष में दो बार) लाडनूं में कक्षाएँ आयोजित की जाती है। कोविड–19 के प्रभाव और इसके संदर्भ में प्रदत्त दिशा- निर्देशों के तहत 2019–2021 बैच के तृतीय सत्र को लाडनूं की जगह सूचना प्रौद्योगिकी की सहायता से ऑनलाइन किया गया।

इस शैक्षणिक सत्र का प्रारम्भ 21 मार्च 2020 से हुआ। 21–22 मार्च को परीक्षा लेने के पश्चात् 23 मार्च से अध्ययन शुरू किया गया और 19 अप्रैल 2020 को यह ऑनलाइन अध्ययन संपन्न हुआ। डॉ. मंजु जी नाहटा के निर्देशन में यह अध्ययन करवाया गया। 31 जुनियर व 5 सीनियर स्कॉलर कुल 36 विद्यार्थी (स्कॉलर्स) इस सत्र में अध्ययनरत रहे।

प्रशिक्षकों द्वारा स्कॉलर्स को प्राकृत, संस्कृत, कर्मग्रंथ, न्याय मीमांसा और भारतीय दर्शन इन पाँच विषयों का प्रशिक्षण दिया गया।

डॉ. मंजु नाहटा - न्याय मीमांसा (30 कक्षा - 10 घण्टे)

श्रीमती सुषमा आँचलिया- संस्कृत (70 कक्षा- 45 घण्टे)

श्रीमती राजु दूगड़ - प्राकृत (22 कक्षा- 17 घण्टे)

डॉ. वीरबाला छाजेड़ - भारतीय दर्शन

(20 कक्षा - 18 घण्टे)

सी ए विकास गर्ग - कर्मग्रंथ

(18 कक्षा-12 घण्टे)

कुल-160 विडियो तथा ऑडियो (लगभग -102 घण्टे) का प्रशिक्षण हुआ। लॉकडाउन के दौरान विद्यार्थियों ने अपने समय का सदुपयोग किया। विद्यार्थियों का उत्साह और नियमितता सराहनीय रही। उनके अनुभवों से ज्ञात हुआ कि यह उनके लिए एकदम नया था लेकिन फिर भी सारी कक्षाएं सुनियोजित रही, उन्हें समझने में किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हुई।

पुनरावर्तन हेतु सारे ऑडियो और विडियो यूट्यूब पर अपलोड किए गए हैं।

जैन स्कॉलर योजना के प्रायोजक हैं श्रद्धा की प्रतिमूर्ति स्वर्गीय श्रीमती दाखी बाई एवं प्रिय धर्मी स्वर्गीय श्री नाथू लाल जी तातेड़ की पुण्य स्मृति में श्रीमान मदनलालजी-प्रकाशदेवी, श्रीमान महेंद्रजी-कांतादेवी, श्रीमान निर्मल जी - शर्मिला तातेड़ मुम्बई ।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की संगठन यात्रा (दक्षिण भारत)

अनुशासित, सुसंगठित, समृद्ध, ऊर्जावान एवं प्रगतिशील धर्मसंघ का नाम है - तेरापंथ। जो अपनी एक गुरु और एक विधान की सुनियोजित संघ परम्परा के अन्तर्गत निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। संघ के अनेक आयामों और संगठनों में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल का अपना उत्कृष्ट स्थान है। यह एक ऐसी संस्था है जो देशभर में अपनी 460 शाखाओं और साठ हजार से अधिक सदस्याओं के सक्रिय सहयोग एवं समर्पण के बल पर परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सेवा करते हुए निरन्तर संघ प्रभावना में श्रीवृद्धि कर रही हैं।

अ.भा.ते.महिला मण्डल द्वारा शाखा-मण्डलों को संगठन की दृष्टि से सुदृढ़, समृद्ध, आत्मनिर्भर तथा और अधिक सक्रियता की प्रेरणा हेतु केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्यों को क्षेत्रों की शाखाओं की सार-संभाल एवं संगठन यात्रा की जिम्मेदारी के अन्तर्गत दक्षिण भारत में यात्रा की जिम्मेदारी श्रीमती माला कात्रेला एवं श्रीमती अनिता चौपड़ा ने निभाई।

इस यात्रा के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में अपने प्रेरणादायी उद्‌बोधन, प्रभावी वक्तव्यों एवं विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से यात्रीद्वय-बहनों ने स्थानीय सदस्याओं को भावना चौका, जनगणना तथा ज्ञान चेतना कार्यशाला के अन्तर्गत संयम-चेतना, भावनात्मक-चेतना, सामुदायिक-चेतना, सदुपयोग-चेतना, नैतिक चेतना, स्वास्थ्य चेतना, बौद्धिक चेतना, अपरिग्रह-चेतना, भोगोपभोग सीमा व्रत, विभिन्न दस्तावेजों का संधारण, बिजनस वूमन नेटवर्क तथा ब्रेनविटा क्विज प्रतियोगिता आदि की सांगोपांग जानकारी देते हुए अभातेममं के मोबाइल एप्प के महत्व को समझाते हुए इसे डाउनलोड करने की प्रक्रिया भी बताई। दोनों बहनों द्वारा निम्नलिखित क्षेत्रों में सफलतापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन हुआ -

पल्लावरम :- 8 जनवरी, 2020। कार्यक्रम का प्रारम्भ मंगलाचरण से हुआ। यहाँ एक उपासिका एवं सात ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं सहित कुल 80 सदस्य हैं जिनमें से 20 बहनों ने कार्यक्रम में भाग लिया। संचालन श्रीमती पंकज कोठारी ने तथा आभार ज्ञापन श्रीमती पूनम पितलिया ने किया।

कुम्बकोणम :- 23 जनवरी, 2020। सदस्य बहनों ने मंगल-संगान एवं श्रीमती श्वेता सेठिया ने स्वागत भाषण संगठनयात्री बहनों का स्वागत किया। यहाँ कुल 13 सदस्य हैं। 'नारी-लोक' का वाचन होता है। यहाँ कन्यामण्डल, ज्ञानशाला एवं प्रेक्षाध्यान संबंधी गतिविधियों का संचालन नहीं हो रहा है।

मिंजूर :- 19 फरवरी, 2020। स्थानीय सदस्याओं द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ ही साध्वी-प्रमुखाश्री जी के मंगल-संदेश का वाचन करते हुए संगठनयात्री बहनों ने केन्द्र के निर्देशों एवं योजनाओं से स्थानीय महिला मण्डल को अवगत करवाया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार ज्ञापन श्रीमती उषा सेठिया ने किया।

ईरोड़ :- 3 मार्च, 2020। मंगलाचरण एवं स्थानीय अध्यक्षा श्रीमती मनाली जैन द्वारा स्वागत पश्चात संगठन-यात्री बहनों द्वारा साध्वीप्रमुखाश्रीजी के मंगल-संदेश का वाचन एवं प्रेरणादायी वक्तव्य, अभिलेखों की जांच एवं विभिन्न प्रशिक्षण हुए। उपाध्यक्षा श्रीमती मंजु बोथरा ने संयोजन एवं आभार ज्ञापन किया। सभी बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कोयम्बटूर :- 3 मार्च, 2020। महामंत्रोच्चारण पश्चात् श्रीमती बबीता गुनेचा एवं श्रीमती रेखा मरोठी के मंगलाचरण से ज्ञान-चेतना शिविर का शुभारम्भ। अध्यक्षा श्रीमती चंदादेवी सेठिया द्वारा साध्वीप्रमुखाश्री के मंगल-संदेश का वाचन, सहमंत्री श्रीमती आरती रांका द्वारा अध्यक्षीय आह्‌वान, पूर्व मंत्री श्रीमती मोनिका लूणिया द्वारा संयोजिकाजी के संदेश का वाचन एवं मंत्री श्रीमती मीनु बोथरा ने भावीभीना स्वागत किया। संचालन उपाध्यक्ष श्रीमती मंजु गिड़िया एवं धन्यवाद ज्ञापन उपमंत्री श्रीमती रेखा मरोठी ने किया। स्थानीय बहनों ने सोत्साह भाग लिया।

कुन्नूर :- 3 मार्च, 2020। संगठन यात्रा के अन्तर्गत कुन्नूर में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय बहनों के साथ अध्यक्षा श्रीमती शीतल मालू ने आगन्तुकों का स्वागत किया। सभी बहनों ने कार्यक्रम में बताई गई बातों को जीवनोपयोगी बताते हुए अपनाने का संकल्प लिया। मंत्री श्रीमती प्रियंका पारेख ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

तिरुपुर :- 4 मार्च, 2020। स्थानीय तेरापंथ भवन मे नमस्कार महामंत्र एवं प्रेरणा गीत के साथ संगठन यात्रा का स्वागत करते हुए श्रीमती कात्रेला एवं श्रीमती चौपड़ा का तिलकार्चन किया गया। प्रेरणादायी वक्तव्यों एवं उपयोगी जानकारी के साथ विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम का संचालन मंत्री श्रीमती नीतू सिंघवी एवं आभार ज्ञापन कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रीति भण्डारी ने किया।

सेलम :- 8 मार्च, 2020। अ.भा.ते.म.म. की संगठन यात्रा के अन्तर्गत वरिष्ठ उपाध्यक्षा श्रीमती नीलम सेठिया, श्रीमती माला कात्रेला एवं श्रीमती अनिता चौपड़ा ने सेलम क्षेत्र का दौरा किया। स्थानीय महिला मण्डल अध्यक्ष श्रीमती सरिता दूगड़ एवं मंत्री श्रीमती सरिता चौपड़ा ने स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में लोक अदालत की चेयर-वुमन श्रीमती एन.गुणवंती को केन्द्र द्वारा निर्देशित प्रेरणा-सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। संचालन श्रीमती सपना बाफना तथा आभार ज्ञापन उपमंत्री श्रीमती निशा डूंगरवाल ने किया।

श्रीमती माला कात्रेला,
चेन्नई (तमिलनाडु)

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की 14 क्षेत्रों की संगठन यात्रा (मेवाड़ संभाग राजस्थान)

शाखाओं को ऊर्जावान बनाने का माध्यम है-संगठन यात्रा। छोटे-छोटे क्षेत्र जहां चरित्रात्माओं की चातुर्मास नहीं होते, समणी वर्ग भी कभी-कभी पहुंचते हैं, ऐसे क्षेत्र भी सक्रियता से संघीय प्रवृत्तियों को संचालित कर रहे हैं। हर क्षेत्र के लिए प्रेरणा एवं प्रोत्साहन का संचार करने वाली संगठन यात्राओं का विवरण क्रमशः दिया जा रहा है।

मेवाड़-दिनांक 10 जनवरी 2020 - सामरा, गोगुंदा :- सहमंत्री नीतू ओस्तवाल एवं कार्यसमिति सदस्य डॉ. नीना कावड़िया डॉ. हेमलता। शासनश्री साध्वी जसवतीजी के सानिध्य में स्व से शिखर तक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विशेष वक्तव्य साध्वी श्री अनेकांत प्रभा जी ने दिया, नमस्कार महामंत्र से शुरू हुए इस कार्यक्रम में स्थानीय अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया। कन्या विद्यालय में दो सेनेटरी डिस्पोजल मशीनों का उद्घाटन, 90 स्वेटर का वितरण, कन्या सुरक्षा का संदेश देती स्वच्छता रैली का आयोजन। 13 बैंच-पुलिस थाना कन्या विद्यालय, मैन चौराहा आदि जगहों पर। असाधारण साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद एवं संगठन यात्रा प्रभारी श्रीमती सरिता डागा के संदेश का वाचन, केन्द्र द्वारा चल रही योजनाओं की विशेष जानकारी, संविधान संबंधी चर्चा-परिचर्चा। रजिस्टर अवलोकन एवं उनके बारे में जानकारी गोगुंदा अध्यक्षा श्रीमती राजकुमारी जी खोखावत, सामरा थानेदार सा. शंकरसिंहजी राव, प्रधानाध्यापक राजपुरोहित, सभाध्यक्ष श्री कांतिलाल जी भोगर व मंत्री श्री जोधराज जी मेहता सहित 95 बहनों की गरिमामय उपस्थिति रही।

दिनांक 17 जनवरी 2020 लाछुड़ा, दौलतगढ़, राजाजी का करेड़ा

शासनश्री मुनिश्री हर्षलाल जी, मुनिश्री शांतिप्रियजी का सानिध्य एवं विशेष प्रेरणा रहा। इस क्षेत्र की बहुत समय बाद सार-संभाल हुई। सार-संभाल से सभी में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

दौलतगढ़ – संगोष्ठी में राष्ट्रीय टीम का अध्यक्ष श्रीमती लहरीदेवी नौलखा व मंत्री श्रीमती अंजू नौलखा ने भाव-भरा स्वागत किया। यह क्षेत्र उत्साही क्षेत्र है। उपस्थिति 34 बहिनों की थी। नए रजिस्टर बनवाए। इस क्षेत्र से कई संभावनाएं हैं।

राजाजी का करेड़ा – अध्यक्षा श्रीमती मनीषा जी चिंपड़ व मंत्री श्रीमती सोनल मण्डोत ने राष्ट्रीय टीम का स्वागत किया। संगोष्ठी में 25 बहिनों की संख्या में युवती बहिनें की संख्या अधिक। उत्साही क्षेत्र। विशेष - तत्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन सीखने के लिए अति उत्साही।

दिनांक 7 फरवरी 2020 कांकरोली, केलवा, पड़ासली, आमेट, सरदारगढ़

कांकरोली – शासनश्री साध्वीश्री कनकश्री ठाणा-5 के सानिध्य में संगोष्ठी हुई। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू दक ने राष्ट्रीय टीम का भाव भरा स्वागत किया। विशेष उद्‌बोधन साध्वीश्री निर्मलाजी का रहा। उत्साही क्षेत्र, आयम्बिल पूरा करने के सहयोग का आह्‌वान किया। यहां की कई बहनें उपासिकाएं व तीन बहनें जैन स्कोलर की क्लास कर रही हैं। केन्द्र द्वारा निर्देशित कार्यों को बड़े उत्साह से आयोजित करती हैं। मंत्री श्रीमती उषाजी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

केलवा – तेरापंथ की जन्मस्थली में स्थानीय अध्यक्षा श्रीमती बिंदिया सांखला ने सभी का स्वागत किया। जिज्ञासा समाधान में युवति बहनों में अनेक संभावनाओं का आभास हुआ। यहां व्यवस्थित रजिस्टर भी थे। आयम्बिल अनुष्ठान भी सुचारू रूप से चल रहा है। मंत्री श्रीमती रत्ना कोचर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पड़ासली – अध्यक्ष श्रीमती अनीता जी बड़ाला, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मंजू बराला ने सभी का स्वागत किया। सभाध्यक्ष श्रीमती लवेश जी मादरेच, भिक्षु विहार समिति के अध्यक्ष श्री महेंद्र जी कोठारी, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष श्री मुकेशजी कोठारी की विशेष उपस्थिति रही।

आमेट – तेरापंथ के यशस्वी आचार्यों के चरण स्पर्श से बनी पवित्र पावन भूमि में स्थानीय अध्यक्षा श्रीमती उमा हिरण ने राष्ट्रीय टीम का भव्य स्वागत किया। हठ धर्मी श्राविका चंदू भाई के क्षेत्र में संगोष्ठी शासनश्री मुनि सुरेश कुमार जी, मुनि श्री संबोध कुमार जी के सानिध्य में हुई। कार्यक्रम में 39 बहनों की उपस्थिति रही। मंत्री श्रीमती आशा डूंगरवाल ने सभी का आभार ज्ञापन किया।

सरदारगढ़ – मुनिश्री संबोध कुमार जी के सानिध्य में यह संगोष्ठी आयोजित की गई। मुनिश्री ने मंडल के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहने की विशेष प्रेरणा दी। कार्यक्रम में उपासिका श्रीमती शांता जी जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस क्षेत्र में उत्साह के साथ केन्द्र द्वारा दिए गए कार्यों को व्यवस्थित करना एवं आयम्बिल अनुष्ठान करने की विशेष झलक है। अध्यक्षा श्रीमती मंजू जी कच्छावा ने सभी का स्वागत किया व मंत्री श्रीमती सीमाजी बाबेल ने आभार ज्ञापन किया।

दिनांक 17 फरवरी 2020 उदयपुर – झीलों की नगरी उदयपुर में राष्ट्रीय टीम का अध्यक्षा श्रीमती सुमन जी डाकलिया ने भाव-भरा स्वागत किया। संगोष्ठी में जिज्ञासा समाधान भी कई विषयों पर हुए। यहां पर सुव्यवस्थित सात रजिस्टरों की सार संभाल की। दो मशीनों का उद्‌घाटन भी हुआ। उत्साही क्षेत्र जहां आयम्बिल अनुष्ठान सुचारू रूप से चल रहे हैं। पूर्वाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी कर्णावत व श्रीमती शकुंतला जी धाकड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंत्री श्रीमती सीमा बागरेचा ने सभी का आभार ज्ञापन किया।

नाथद्वारा - श्रीनाथजी की पावन नगरी में शासनश्री साध्वी गुणमाला जी ठाणा-4 के सानिध्य में संगोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथियों का स्वागत अध्यक्षा श्रीमती मंजू तलेसरा ने किया। साध्वीश्रीजी द्वारा विशेष प्रेरणा दी गई व दो मशीनों का उद्‌घाटन भी किया गया, बहुत संख्या में बहनों की उपस्थिति रही। मंत्री श्रीमती नीता तलेसरा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजसमंद – तेरापंथ के बोधि स्थल में अध्यक्षा श्रीमती ललिता जी चपलोत ने राष्ट्रीय टीम का भाव-भरा स्वागत किया व मंत्री श्रीमती राजुला मादरेचा ने सभी को कृतज्ञता के साथ धन्यवाद दिया।

धोइंदा – उत्साही क्षेत्र में अध्यक्षा श्रीमती कांता जी जैन व पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बड़ोला ने सभी का स्वागत किया। इस चर्चा-परिचर्चा में जिज्ञासाओं के समाधान भी बताए गए। यहां के क्षेत्र की एक बहन जैन स्कोलर है। केन्द्र द्वारा निर्देशित कार्यक्रमों को व्यवस्थित रूप से संचालित करते हैं। आयम्बिल अनुष्ठान भी सुचारू रूप से चल रहा है। मंत्री श्रीमती तारा लोढ़ा ने सभी का आभार ज्ञापन किया।

मेवाड़ क्षेत्र में ऊर्जा के साथ वास्तव में बहनों के भीतर प्रतिभा है, कुछ करने की तड़प है, जूनून है। यहां के क्षेत्रों में नए सदस्य बनाए एवं भावना चौका में भी विशेष उत्साह दिखाई दिया। सभी क्षेत्रों की बहनों ने सभी योजनाओं के लक्ष्य को पूरा करने का

भरपूर विश्वास दिलाया व राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रति आभार प्रकट किया। बहनों के आत्मीय स्नेह तथा आतिथ्य भाव से सहमंत्री नीतू ओस्तवाल, कार्यकारी सदस्य डॉ. नीना कावड़िया एवं डॉ. हेमलता नाहटा अभिभूत हुए।

विशेष – सभी क्षेत्रों में आयम्बिल अनुष्ठान केन्द्र द्वारा चार योजनाओं पर कार्य अच्छे से चल रहे हैं।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की संगठन यात्रा (असम संभाग)

केन्द्र और शाखाओं के बीच ऊर्जा का आदान-प्रदान होना, शाखाओं की समस्या और कठिनाइयों को समझना और उन्हें समाधान देना, योजनाओं से उन्हें अवगत कराना आदि कई उद्देश्यों के लिए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार असम की प्रभारी होने के नाते 13 मार्च 2020 को श्रीमती विद्या कुंडलिया ने संगठन यात्रा बरपेटा से गुवाहाटी महिला मंडल की उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू भंसाली व कार्यसमिति सदस्य श्रीमती सुचित्रा छाजेड़ के साथ शुरू की।

बरपेटा की अध्यक्ष श्रीमती सरिता मालू व मंत्री श्रीमती सुनीता बांठिया ने बड़े चाव से हमारा स्वागत किया। हमें अपनी संस्था संचालन की जानकारियां दी व हमसे कई समाधान पाए।

बंगाईगांव (उत्तर) – पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मंजू दुगड़ एवं मंत्री श्रीमती कविता कोठारी के संग हमारी कार्यशाला 'ज्ञान चेतना सेमिनार' सुचारु रुप से चली।

बंगाईगांव (दक्षिण) – अध्यक्ष श्रीमती प्रमिला बोथरा एवं मंत्री श्रीमती प्रमिला सेठिया ने भी कार्यशाला में अपने विचार रखे। सभी रजिस्टरों की जांच की व उन्हें सही तरीके से कैसे उन्हें व्यवस्थित रखें बताया।

किशनोई – एक छोटा सा क्षेत्र जहां सिर्फ १५ ही बहनें हैं पर अध्यात्मिक गतिविधियों से परिपूर्ण। वहां की अध्यक्ष श्रीमती लीला सिंह जी एवं मंत्री श्रीमती बसंती डोसी थी।

कोकराझाड़ – अध्यक्ष श्रीमती संजू डागा एवं मंत्री सोनम सेठिया व सभी सदस्यों ने बड़ी ही आत्मीयता से हमारा स्वागत किया। कहा कि ऐसी हमारे सार संभाल होने से, हमारे में एक नया जोश व ऊर्जा का संचार होता है। वहां की बहनों का उत्साह देखने लायक था।

बिलासीपाड़ा – अध्यक्ष श्रीमती संगीता सेठिया एवं मंत्री सरोज महनोत ने भी ज्ञान चेतना कार्यशाला के माध्यम से कई जानकारियां हम से प्राप्त की व अपनी कई समस्याओं का समाधान पाया।

गौरीपुर – पूर्व अध्यक्ष श्रीमती रूबी चौरड़िया आदि बहनों ने स्वागत किया हमने सभी तरह से सार-संभाल की।

धुबड़ी – पूर्व अध्यक्ष श्रीमती शांति बरड़िया एवं मंत्री श्रीमती मधु बोथरा ने अपने मंडल में हुई गतिविधियों की जानकारी दी। कई शाखा संबंधित समस्याओं का समाधान प्राप्त किया।

इस तरह हमारी आठ क्षेत्रों की संगठन यात्रा बहुत ही सुंदर ढंग से हुई। नए अनुभव हुए, नई बहनों से संपर्क बढ़ा, सब से बहुत प्यार व सम्मान मिला। मेरी दोनों साथी बहनों का भरपूर सहयोग मिला। आगे की यात्रा लॉकडाउन की वजह से पूरी नहीं हो सकी।

संगठन यात्रा (राजस्थान थली)

यात्रा प्रभारी - राष्ट्रीय कार्यकारिणी श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा एवं श्रीमती मधु श्यामसुखा

दिनांक 08 फरवरी 2020 - कोटा

शासनश्री मुनिश्री धरमचन्द जी ''पीयूष'' ठाणा-3 के सान्निध्य में कोटा तेरापंथ महिला मंडल की संगठन कार्यशाला आयोजित की गई। अध्यक्षा श्रीमती कविता बाफना ने राष्ट्रीय टीम का स्वागत करते हुए कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा ने अभातेममं की योजनाएं, संविधान व रजिस्टर मेन्टेन के बारे में बताया। श्रीमती मधु श्यामसुखा ने ज्ञान चेतना वर्ष व मंडल की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। मुनिश्री धरमचन्दजी ''पीयूष'' के बहनों को ज्ञान चेतना जागृत करने की व मुनि रश्मि कुमारजी ने महिला मंडल द्वारा किए गए कार्यक्रम की सराहना की। साध्वीप्रमुखाश्री जी, राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा बैद व संगठन यात्रा प्रभारी श्रीमती सरिता डागा के संदेश का वाचन किया गया। मंत्री सुनीता जैन ने आभार ज्ञापन किया। संचालन शिखा बाफना ने किया।

सवाई माधोपुर

कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलचरण से हुआ। साध्वीप्रमुखा श्रीजी, राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा बैद व संगठन यात्रा प्रभारी श्रीमती सरिता डागा के संदेश का वाचन किया। मण्डल अध्यक्ष सुशीला जी जैन ने सभी का स्वागत किया। श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा ने महिला मंडल के संविधान, मीटिंग, कार्यप्रणाली एवं कई तथ्यों पर चर्चा-परिचर्चा की। श्रीमती मधु श्यामसुखा ने संस्था का उद्देश्य, ज्ञान चेतना वर्ष अन्य कई बातों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में मंडल की 22 बहिनें व कन्यामंडल की चार कन्याएं उपस्थित थी। मंत्री श्रीमती धनलक्ष्मी ने सभी का आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन कन्यामंडल संयोजिका ऋतु जैन ने किया।

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी - मई 2020

प्रिय बहनो, सादर जय जिनेन्द्र!

हम सभी वर्तमान में वैश्विक महामारी से जूझ रहे हैं हम सकारात्मक चिंतन के साथ अभय की अनुप्रेक्षा करें एवं समय का सम्यक् उपयोग करते हुए ध्यान, साधना एवं स्वाध्याय में नियोजित करें। ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी द्वारा हम अधिकाधिक स्वाध्याय करें।

बहनों वर्तमान के अनापेक्षित कारणों की वजह से मार्च माह में बहुत कम क्षेत्रों की प्रविष्टियां प्राप्त हो पायी अतः मार्च माह का लक्की ड्रा निकालने मैं हम असमर्थ हैं।

Mrs. Madhu Jain Derasariya C/o Mr. Devendra Jain
5/C, Meghsarman Apt. Tower-1, Citilight-395007,
Surat (Gujrat) • Mobile : 9427133069

प्रश्नोत्तरी

संदर्भ पुस्तकें – संबोधि पृष्ठ संख्या 74 से 82

कर्मवाद पृष्ठ संख्या 93 से 106

(अ) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर नीचे कोष्ठक में दिए गए शब्दों से में उचित शब्द के द्वारा दें।

1. एक कुशल चिकित्सक
2. हिंसा करने का हेतु
3. कर्म मुक्ति का हेतु
4. धर्म का प्रथम सोपान
5. विपाक के लिए एक शर्त
6. जो सब जीवों को आत्मभूत समझता है
7. धर्म ध्यान का एक प्रकार
8. झूठ आदि की प्रवृत्ति
9. भारत का बहुत बड़ा केन्द्र
10. विश्वास का स्थान
11. अपने स्वरूप का संधान
12. वीतराग का कथन
13. नमि राजर्षि का जल रहा है
14. शासन करने योग्य
15. चिकित्सा की सीमा है
16. अनुत्तर धर्म
17. ऋजुता का प्रतिफलन
18. समाज के द्वारा अभिमत धर्म
19. पुद्गल का एक परिणाम
20. आरंभजा हिंसा

(संवर, मद्रास, औदारिक शरीर, स्वरूपानुसंधान, वेदनीय कर्म, भाव, भंवरलाल जी, मैत्री, अंतःपुर, संस्थान विचय, संकल्प, व्यापार, लौकिक, ब्रह्मचर्य, व्रत, अहिंसा परायण, असंयमः, आज्ञा, प्रत्ययास्पदम्, आज्ञाप्यः)

महत्वपूर्ण दिशा निर्देश : मई माह की प्रश्नोत्तरी गूगल लिंक के द्वारा भर कर भेजे।
लिंक आपको व्हाट्सएप के माध्यम से प्रेषित कर दिया जाएगा। लोकडाउन के चलते अप्रैल माह की प्रवृष्टियां अभी नहीं भेजे।

कोविड–19 के समय शाखा मंडलों द्वारा दी गई राहत राशि

क्र. सं.	राशि	शाखा मंडल का नाम
1.	7000/–	कुन्नूर महिला मंडल
2.	1,21,000/–	कूच विहार महिला मंडल
3.	2,00,000/–	बीकानेर महिला मंडल
4.	1,41,000/–	मैसूर महिला मंडल
5.	33,000/–	नोखा महिला मंडल
6.	21,000/–	विराटनगर महिला मंडल
7.	1,00,000/–	उधना महिला मंडल
8.	21,000/–	खारूपेटिया महिला मंडल
9.	21,000/–	जोराहाट महिला मंडल
10.	41,000/–	रायपुर महिला मंडल
11.	8,30,500/–	गंगाशहर महिला मंडल
12.	22,750/–	लाडनूं महिला मंडल
13.	1,00,000/–	सिलचर महिला मंडल
14.	83,000/–	विशाखापट्टनम् महिला मंडल
15.	2100/–	गुलाब बाड़ा महिला मंडल
16.	8350/–	पटना जंक्शन महिला मंडल

17.	1,00,00,000 / –	उदयपुर महिला मंडल
18.	21,000 / –	सायरा महिला मंडल
19.	6000 / –	बेलडांगा महिला मंडल
20.	31,000 / –	उत्तर हावड़ा महिला मंडल
21.	1,50,000 / –	मध्य कोलकाता महिला मंडल
22.	10,500 / –	नवसारी महिला मंडल
23.	31,000 / –	दलखोला महिला मंडल
24.	11,000 / –	लूणकरणसर महिला मंडल
25.	21,000 / –	हनुमथ नगर, बैंगलोर महिला मंडल
26.	5000 / –	गदग महिला मंडल
27.	76,000 / –	नौगांव महिला मंडल
28.	5,11,000 / –	जयपुर (शहर) महिला मंडल
29.	5,00,000 / –	अहमदाबाद महिला मंडल
30.	11,000 / –	जबलपुर महिला मंडल
31.	50,000 / –	किशनगंज (बिहार) महिला मंडल
32.	2,44,000 / –	सूरत महिला मंडल
33.	21,000 / –	रिसड़ा महिला मंडल
34.	21,000 / –	सुपोल महिला मंडल
35.	21,000 / –	बीदासर महिला मंडल
36.	26,000 / –	कामरेज महिला मंडल
37.	31,000 / –	वाराणसी महिला मंडल
38.	5100 / –	इस्लामपुर महिला मंडल
39.	26,000 / –	केलवा महिला मंडल
40.	11,000 / –	मनेन्द्रगढ़ महिला मंडल
41.	7,11,000 / –	विजयनगर बैंगलोर महिला मंडल
42.	31,000 / –	नाथद्वारा महिला मंडल
43.	33,000 / –	आमेट महिला मंडल
44.	31,000 / –	मैंगलोर महिला मंडल
45.	11,000 / –	सुजानगढ़ महिला मंडल
46.	11,000 / –	चीका (कैथल हरियाणा) महिला मंडल
47.	51,000 / –	सेतिया महिला मंडल
48.	21,000 / –	कांटाभाजी महिला मंडल
49.	26,000 / –	जलगांव महिला मंडल
50.	60,060 / –	इन्दौर महिला मंडल

राहत राशि का कुल योग – 1,45,79,360 है।

राहत राशि का विवरण भेजने के लिए संयोजिका श्रीमती विमला दुगड़, जयपुर मो. 9314517737 हैं।

अध्यक्षीय कार्यालय : श्रीमती पुष्पा बैद – ''पावन'' बी-106/107, विद्युत नगर-बी, क्वीन्स रोड़, जयपुर – 302021
मो. : 9314194215, 8209004923 ईमेल pushpabaid312@gmail.com

महामंत्री कार्यालय : CA तरूणा बोहरा – 301, साधना पैलेस, मराठा कॉलोनी, दहिसर (पूर्व) मुम्बई – 400068
मो. : 8976601717 ईमेल tarunajain365@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती रंजु लुणिया – लुणिया मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड, बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास, शिलोंग-793001 (मेघालय) मोः 94361033330, 8787645164 ईमेल lmplshillong@gmail.com

नारीलोक संपादन सहयोगी : श्रीमती गुलाब बोथरा मो : 9462342976

नारीलोक देखें website : www.abtmm.org